

छत्तीसगढ़ के चौथे मुख्यमंत्री होंगे वशिष्ठदेव साय

चर्चा में क्यों?

10 दिसंबर, 2023 को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में प्रदेश के आदवासी नेता व कुनकुरी से वधायक वशिष्ठदेव साय को चुना है। वे राज्य के चौथे मुख्यमंत्री एवं पहले आदवासी मुख्यमंत्री होंगे।

प्रमुख बंदि

- रायपुर के भाजपा प्रदेश कार्यालय में हुई वधायक दल की बैठक में वशिष्ठदेव साय को वधायक दल का नेता चुना गया। इसके साथ ही उन्होंने राजभवन पहुँचकर राज्यपाल के पास सरकार बनाने का दावा पेश किया। 13 दिसंबर को वो मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।
- वशिष्ठदेव साय छत्तीसगढ़ की कुनकुरी वधानसभा से चुनकर आते हैं। राज्य में आदवासी समुदाय की आबादी सबसे अधिक है। वे इसी समुदाय से आते हैं। वे राज्य के पहले आदवासी मुख्यमंत्री होंगे। वे भाजपा से भी पहले आदवासी मुख्यमंत्री होंगे। हालांकि, प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री अजीत जोगी को भी राज्य का पहला आदवासी समाज से आने वाला मुख्यमंत्री माना जाता है, लेकिन उनकी जाति से जुड़ा मामला फलिहाल नयायालय में लंबित है।
- वदिति हो का वशिष्ठदेव साय चार बार सांसद, दो बार वधायक, केंद्रीय राज्य मंत्री और दो-दो बार भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भी रहे हैं।
- उन्होंने अपनी राजनीतिक सफर की शुरुआत 1989 में की थी। सबसे पहले उन्होंने एक गाँव के पंच के रूप में कार्य किया। भारतीय जनता पार्टी ने साल 1990 में उन्हें तपकरा वधानसभा क्षेत्र से वधायक का टिकट दिया, जिसमें उन्होंने जीत हासिल की। इसके बाद वे रायगढ़ लोकसभा क्षेत्र से 1999 से 2014 तक लगातार तीन बार सांसद चुने गए।



